इलेक्ट्रॉनिक्स पार्ट्स विनिर्माण नीति

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश को वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण केंद्र के रूप में विकसित करने हेतु राज्य मंत्रिमंडल ने उत्तर प्रदेश इलेक्ट्रॉनिक्स पार्ट्स विनिर्माण नीति-**2025 (UP ECMP-2025)** को स्वीकृति दी है।

मुख्य बिंदु

- **नीति के बारे में:**
  - यह नीति **केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट विनिर्माण योजना (ECMS**) के अनुरूप है, जिसका निवेश लक्ष्य 5,000 करोड़ रुपये है और लाखों रोज़गार सृजन का अनुमान है।
- **उद्देश्य:**
  - नीति का उद्देश्य डिस्प्ले, कैमरा मॉड्यूल और **मल्टीलेयर प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (PCB)** सहित 11 प्रमुख **इलेक्ट्रॉनिक पार्ट्स के उत्पादन को बढ़ावा देना** है।
  - 5,000 करोड़ रुपये के अनुमानित निवेश के साथ, इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह के रोज़गार के अवसर सृजित होंगे, जिससे उत्तर प्रदेश एक प्रमुख निवेश गंतव्य बन जाएगा।
- **प्रशासनिक ढाँचा:**
  - **नीति कार्यान्वयन इकाई** और एक **सशक्त समिति** द्वारा समर्थित एक **नोडल एजेंसी स्थापित** की जाएगी, जो नीति के कार्यान्वयन की देखरेख करेगी तथा कुशल शासन एवं पहलों के सुचारू क्रियान्वयन को सुनिश्चित करेगी।
- **समय-सीमा:**
  - यह नीति **1 अप्रैल 2025 से पूर्वव्यापी रूप से** प्रभावी होगी तथा इस तिथि से किये गए निवेश नीतिगत लाभों के लिये पात्र होंगे, जो छह वर्षों तक विस्तारित होंगे।
- **प्रोत्साहन:**
  - उद्यमियों को केंद्रीय **ECMS लाभों के साथ-साथ राज्य स्तरीय प्रोत्साहन** भी प्राप्त होंगे, जिससे उत्तर प्रदेश की इलेक्ट्रॉनिक्स आपूर्ति शृंखला मज़बूत होगी और एक आत्मनिर्भर पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण होगा।
- **महत्त्व**:
  - यह नीति इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माण में **नवाचार को प्रोत्साहित** करेगी और भारत की **आयात निर्भरता को कम** करेगी, जो घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र को मज़बूत करने के सरकार के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/electronics-parts-manufacturing-policy